अल नीनो की बढ़ती गर्माहट: WMO के पूर्वानुमान को कैसे पढ़ें?

भूगोल और जलवायु | समाचार-संदर्भ: WMO का 21 अक्टूबर 2026 का मौसमी पूर्वानुमान | प्रकाशन: 28 अक्टूबर 2026
मुख्य परीक्षा: GS-1 – जलवायु; GS-3 – कृषि और आपदा-जोखिम
प्रिलिम्स: ENSO, अल नीनो, नीनो 3.4, समुद्र-सतह तापमान, हिंद महासागर द्विध्रुव



मौलिक प्रतीकात्मक चित्र: pcsmantra.com

खबरों में क्यों

विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO) के 21 अक्टूबर के ग्लोबल सीज़नल क्लाइमेट अपडेट ने नवंबर 2026 से जनवरी 2027 के दौरान अल नीनो के और मजबूत होने का पूर्वानुमान दिया है। नीनो 3.4 क्षेत्र में समुद्र-सतह तापमान की मौसमी औसत विसंगति लगभग **+3.8°C** तक पहुँचने और गर्माहट का शिखर दिसंबर 2026 के आसपास आने का अनुमान है। यह भविष्य का मॉडल-आधारित अनुमान है, तीन महीने का मापा जा चुका परिणाम नहीं।

अल नीनो को सरल शब्दों में समझें

भूमध्यरेखीय प्रशांत महासागर के मध्य और पूर्वी हिस्से में समुद्र की सतह सामान्य से अधिक गर्म हो और ऊपर के वायुमंडल में उससे जुड़ा बदलाव हो, तो यह ENSO के गर्म चरण, अल नीनो, की पहचान है। ENSO महासागर और वायुमंडल की जुड़ी हुई जलवायु-प्रणाली है। इसका ठंडा चरण ला नीना और बीच की अवस्था ENSO-तटस्थ कहलाती है।

+3.8°C का अर्थ क्या है?

PCSMANTRA.COM

विसंगति: किसी क्षेत्र का तापमान उसके सामान्य संदर्भ-औसत से कितना ऊपर या नीचे है। +3.8°C को समुद्र का वास्तविक तापमान या पूरी पृथ्वी का इतना गर्म होना नहीं समझना चाहिए। यह नीनो 3.4 नाम के निश्चित प्रशांत क्षेत्र की समुद्र-सतह तापमान विसंगति का पूर्वानुमान है।

मौसमी औसत: नवंबर-दिसंबर-जनवरी के तीन महीने मिलाकर देखा गया अनुमान। इसे किसी एक दिन का तापमान या हर समुद्री स्थान का मान नहीं माना जा सकता।

बहु-मॉडल अनुमान: कई पूर्वानुमान प्रणालियों के परिणाम साथ रखे जाते हैं। WMO ने इस बार प्रणालियों के बीच अपेक्षाकृत कम फैलाव को अधिक पूर्वानुमान-विश्वास का संकेत बताया है। अधिक विश्वास का अर्थ शून्य अनिश्चितता नहीं है।

पूर्वानुमान की तीन अलग बातें

संकेतक	21 अक्टूबर का अनुमान	क्या न समझें
नीनो 3.4	नवंबर 2026-जनवरी 2027 में लगभग +3.8°C मौसमी औसत विसंगति	सभी महासागरों या वैश्विक औसत का मान नहीं
गर्माहट का शिखर	दिसंबर 2026 के आसपास	दिसंबर का परिणाम अभी मापा हुआ नहीं
हिंद महासागर द्विध्रुव	धनात्मक अवस्था का क्षीणन; लगभग +0.3°C मौसमी औसत विसंगति	अल नीनो और IOD एक ही घटना नहीं

‘सुपर अल नीनो’ शब्द से सावधानी क्यों?

WMO अपने व्याख्यात्मक पृष्ठ पर स्पष्ट करता है कि वह ‘सुपर अल नीनो’ या ‘सुपर ला नीना’ शब्द का प्रयोग नहीं करता। इसलिए समाचारों में प्रयुक्त इस आकर्षक नाम को आधिकारिक नई श्रेणी नहीं मानना चाहिए। अध्ययन में क्षेत्र, अवधि, तापमान विसंगति और स्रोत के वास्तविक शब्द अधिक उपयोगी हैं। इस लेख में किसी ऐतिहासिक रिकॉर्ड के टूटने का दावा नहीं किया गया है।

भारत के लिए पूर्वानुमान को कैसे पढ़ें?

ENSO तापमान और वर्षा की प्रवृत्तियों को प्रभावित करता है, लेकिन प्रभाव हर क्षेत्र और हर घटना में एक जैसा नहीं होता। तीव्रता, अवधि, वर्ष का समय और IOD जैसी दूसरी प्रणालियों के साथ संबंध परिणाम बदल सकते हैं। अतः एक वैश्विक समुद्री सूचकांक से किसी भारतीय जिले में निश्चित सूखा, बाढ़, फसल-हानि या खाद्य-मूल्य वृद्धि निकालना उचित नहीं।

WMO का यह पूर्वानुमान अगले नवंबर-जनवरी मौसम के लिए है। इसे बीत चुके 2026 के दक्षिण-पश्चिम मानसून का परिणाम या 2027 के पूरे भारतीय मानसून का निश्चित पूर्वानुमान न बनाएँ। स्थानीय निर्णयों में क्षेत्रीय और राष्ट्रीय मौसम सेवाओं के अद्यतन उत्पाद जरूरी हैं।

आगे की राह

PCSMANTRA.COM

जोखिम का संकेत, नुकसान की घोषणा नहीं: खेती, जल-संग्रह, स्वास्थ्य और आपदा-तैयारी में मौसमी संकेत पहले से विकल्प तैयार करने में मदद कर सकते हैं। उपयोगी कदम है वैश्विक पूर्वानुमान को स्थानीय जानकारी से जोड़ना, समय-समय पर अद्यतन देखना और अनिश्चितता के अनुसार योजना में बदलाव की गुंजाइश रखना।

> पुराने मासिक बुलेटिन और नए मौसमी पूर्वानुमान का अंतर समझने के लिए पढ़ें: **अल नीनो और हिंद महासागर द्विध्रुव: IMD का जुलाई 2026 बुलेटिन**। जुलाई के आँकड़ों को अक्टूबर के अनुमान से न मिलाएँ।

मुख्य परीक्षा अभ्यास प्रश्न

“मौसमी जलवायु पूर्वानुमान का मूल्य निश्चित भविष्यवाणी में नहीं, समय पर जोखिम-तैयारी में है।” अल नीनो के संदर्भ में इस कथन की समीक्षा कीजिए। (250 शब्द, 15 अंक)

उत्तर की रूपरेखा

भूमिका में:
अल नीनो को महासागर-वायुमंडल की जुड़ी अवस्था और WMO के नवंबर-जनवरी पूर्वानुमान को संभाव्यता-आधारित जानकारी के रूप में रखें।

मुख्य भाग में:
समुद्री सूचकांक, मौसमी औसत और स्थानीय मौसम का अंतर समझाएँ। बहु-मॉडल सहमति के लाभ तथा क्षेत्र, समय और अन्य जलवायु चालकों से जुड़ी सीमाएँ बताएँ। कृषि, पानी, स्वास्थ्य और आपदा-तैयारी में क्षेत्रीय जानकारी के साथ उपयोग की चर्चा करें।

निष्कर्ष में:
समय पर सूचना, स्थानीय क्षमता और बदलती स्थिति के अनुसार योजना में सुधार को प्रभावी जोखिम-प्रबंधन का आधार बताएँ।

स्रोत और सीमाएँ

- WMO: नवंबर 2026-जनवरी 2027 का ग्लोबल सीज़नल क्लाइमेट अपडेट, 21 अक्टूबर 2026
- WMO: अल नीनो और ला नीना, परिभाषाएँ, प्रभाव और शब्दावली
- WMO: मौसमी अपडेट की पद्धति और क्षेत्रीय पूर्वानुमानों से संबंध

सीमा: यह 21 अक्टूबर के वैश्विक मौसमी पूर्वानुमान का विश्लेषण है। स्थानीय क्षति, भारतीय फसल-उत्पादन या आगे के मौसम का स्वतंत्र आँकड़ा इसमें स्थापित नहीं किया गया है।

PCSMANTRA.COM